ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-05-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-05-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-05-27	2026-05-28	2026-05-29	2026-05-30	2026-05-31
वर्षा (मिमी)	0.4	1.9	4.1	5.3	13.5
अधिकतम तापमान(से.)	44.1	43.1	41.0	39.1	38.2
न्यूनतम तापमान(से.)	27.9	27.9	27.2	27.1	27.1
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	83	84	79	83
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	13	17	27	36	37
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5.1	9.0	13.4	10.8	7.6
पवन दिशा (डिग्री)	172	217	153	112	360
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	3	4	4
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में भीषण गर्मी और लू जैसी स्थिति बनी रहेगी, तापमान लगभग 40°C से उप्पर की संभावना है तथा वातावरण शुष्क रहेगा। 30 मई से मौसम में बदलाव होकर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना बनेगी, जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

लू के बाद गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान, तेज़ हवाएँ आदि; सतह पर तेज़ हवाएँ

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

पत्तियों का मुरझाना, झुलसना, पीला पड़ना, फूलों का झड़ना और विकास का रुकना, फसलों का गिरना, फलों का टूटना

सामान्य सलाहकार:

लगातार अत्यधिक गर्मी एवं लू की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों में नमी बनाए रखने हेतु आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई सुबह या शाम के समय करें तथा खेतों में मल्चिंग का प्रयोग करें। तेज तापमान के कारण सब्जी एवं बागवानी फसलों में फूल एवं फल झड़ने की संभावना बढ़ सकती है, इसलिए सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव लाभकारी रहेगा। आने वाले दिनों में गरज-चमक, तेज हवाओं एवं हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें ताकि जल जमाव से फसलों को नुकसान न हो। केला, टमाटर, मिर्च एवं अन्य सहारा वाली फसलों को तेज हवा से बचाने हेतु मजबूती से बांधें। बिजली चमकने एवं आंधी के समय खेतों में कार्य करने से बचें। पशुओं को गर्मी एवं लू से बचाने के लिए छायादार स्थान पर रखें तथा पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। चारे की उपलब्धता बनाए रखने हेतु हरे चारे की कटाई एवं भंडारण समय पर करें।

लघु संदेश सलाहकार:

लत्तीदार फ्रेंच बीन्स उन्नत किस्में - केंटकी वडर, स्वर्ण लता का चुनाव करें। बीज दर 10 से 12 किलोग्राम प्रति एकदम ले। कतार से कतार की दुरी 75 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 15 सेंटीमीटर रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	अनाज के टूटने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए शारीरिक परिपक्वता (80-85% दाने एक पुष्पगुच्छ से परिपक्व) पर चावल की फसल की कटाई साफ़ मौसम होने पर ही करें। भण्डारण से पूर्व दानों में नमी की मात्रा को 1-2 दिन धूप में सुखाकर 14 प्रतिशत तक कम कर लेना चाहिए। कटे हुए धान/चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए सुपर ग्रेन बैग का उपयोग करें जो गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को लंबे समय तक बनाए रखने में सहायक है। भंडारित धान मे कीटों से बचाव हेतु एल्यूमीनियम फास्फाइड (घरों में उपयोग न करें) टैबलेट @ 3 गोलियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम गोलियां) का उपयोग काफी एयर टाइट कंटेनर में या अनाज की थैलियों को ढक कर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च के फसलों में पत्ती मोड़क विषाणु (पत्तियां सिकुड़ कर ऊपर/नीचे मुड़ जाती हैं, पीले पड़ जाते हैं) के प्रकोप दिख रहें है जो सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाला एक गंभीर रोग है। इसके नियंत्रण के लिए नीम तेल 5 मि. ली. प्रति लीटर पानी और खेतों में पीले चिपचिपे जाल का प्रयोग करें, प्रकोप अत्यधिक होने पर इमिडाक्लोप्रिड दवा 17.8 एस.एल. का छिड़काव 0.5 मि. ली. प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।
भिण्डी	भिंडी की ग्रीष्मकालीन बुआई के 30 दिन बाद शेष 50 किग्रा यूरिया को दो बराबर मात्रा में बांटकर मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें। 50 किग्रा में से 25 किग्रा यूरिया मिट्टी में तथा शेष 25 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ फूल आने से पहले दें।
सेम की फली	लत्तीदार फ्रेंच बीन्स उन्नत किस्में - केंटकी वडर, स्वर्ण लता का चुनाव करें। बीज दर 10 से 12 किलोग्राम प्रति एकदम ले। कतार से कतार की दुरी 75 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 15 सेंटीमीटर रखें।
करेला	कद्दूवर्गीय फसल लगाने हेतु इच्छुक किसान भाई कद्दू के लिए पूसा नवीन एवं अर्का बहार; करेला के लिए पूसा दो मौसमी, आरका हरित; झींगी के लिए पूसा नासदार, सतपुतिया, स्वर्ण उपहार; नेनुआ के लिए चिकनी, लूंग ग्रीन, लॉन्ग वाइट जैसे उन्नत किस्मों का चुनाव करें। कद्दू के लिए 2.5 से 3.0 मीटर, करेला के लिए 1.25 से 1.5 मीटर झींगी के लिए 1.5 से 2.0 की मीटर, नेनुआ के लिए 2.0 से 2.5 मीटर की दुरी रखें।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
आम सीएआरपी	गर्मी में तापमान बढने, बादल घिरे रहने एवं जल स्तर का नीचे गिरने से तालाब में आक्सीजन की कमी होने की सम्भावना को कम करने के लिए पम्प द्वारा जल को खिंच कर तालाब में पुन: डालें। बांस द्वारा जल को पीटे। ऐसा करने से वायुमंडलीय आक्सीजन की मात्रा जल में घुलकर बढ़ जाती है।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	जो किसान ऊपरी खेतों में धान, मकई, या मूँगफली की खेती करना चाहते हैं, वे अंतर्वर्तीय खेती करें, क्योंकि अनियमित वर्षा की स्थिति में यदि एक फसल मारी जाती है तो दूसरी फसल से कुछ न कुछ उपज मिल जाती है इस क्षेत्र के लिए अंतर्वर्तीय खेती निम्न है: अरहर+मूँगफली/धान/उरद : दो पंक्ति अरहर (75 सेंटीमीटर पंक्ति से पंक्ति तथा 20 से 25 सेंटीमीटर पौधा से पौधा की दूरी पर) के बीच दो पंक्ति मूँगफली या धान या उरद की बोआई करें। अरहर+ मकई : एक पंक्ति अरहर तथा एक पंक्ति मकई (75 सेंटीमीटर पंक्ति से पंक्ति तथा 20 से 25 सेंटीमीटर पौधा से पौधा की दूरी पर) की बोआई करें। मध्यम जमीन में धान, मकई, मूँगफली या सोयाबीन की सीधी बोआई कम या मध्यम अवधि वाली प्रजाति के साथ करें। मकई की कम अवधि वाली किस्म का चुनाव अनाज के लिए तथा मध्यम अवधि वाले किस्म का चुनाव हरा भुट्टा के लिए करें।
कृषि क्षेत्र	आम, अमरुद तथा लीची के पौधे लगाने इच्छुक किसान भाई खेत की तैयारी करें। तीनों फसल के लिए 1 X 1X 1 मीटर की दुरी पर गड्ढे खोदे। आम के लिए पौध के बिच 8 X 8 मीटर की दुरी मीटर, अमरुद के लिए 5 X 5 मीटर, लीची के लिए 8 X 8 मीटर रखें। आम में उर्वरक प्रबंधन के लिए गड्ढा भरते समय गोबर की खाद 10 किलोग्राम, करंज की खली 2 किलोग्राम, डी.ए.पी. 1 किलोग्राम, ऍम.ओ.पी. 500 ग्राम डालें, अमरुद के लिए गोबर की खाद 8 किलोग्राम, करंज की खली 1 किलोग्राम, डी.ए.पी. 750 ग्राम, ऍम.ओ.पी. 400 ग्राम डालें, लीची के लिए गोबर की खाद 10 किलोग्राम, करंज की खली 2 किलोग्राम, डी.ए.पी. 500 ग्राम, तथा चुना 10 किलोग्राम डालें।
सामान्य सलाह	वर्षा के पानी को जमा करने के जलए अपने खेत के ढलान के निचले भाग में 10’ x 10’ x 10’ आकार का गड्ढा (डोभा) बना लें, जिससे संग्रहीत पानी का उपयोग फसल में आवश्यकतानुसार जीवन रक्षक सिचाई के रूप में किया जा सके

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

लू, गरज-चमक, तेज हवाओं एवं वर्षा के कारण फसलों में नमी तनाव, फूल एवं फल झड़ना, फसल गिरना, जल जमाव, सब्जी एवं फल फसलों को नुकसान तथा पशुओं में गर्मी तनाव की संभावना बढ़ सकती है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलों में हल्की सिंचाई एवं जल निकासी की व्यवस्था करें, सहारा वाली फसलों को बांधें, खेत में कार्य करते समय सावधानी रखें तथा पशुओं के लिए छाया और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं।

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details